**संख्या-47/2018/1237/सैंतीस-2-2018-1(52)/12टीसी**

प्रेषक,

**डा0 प्रहलाद बरनवाल,**
**अनु सचिव,**
**उ0प्र0 शासन।**

सेवा में,

**निदेशक,**
**रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र,**
**पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश।**

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनांक-31 मार्च, 2018

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में गाय एवं भैंस विकास डेयरी काम्प्लेक्स की स्थापना (रा.यो.) के अन्तर्गत पुनर्विनियोग के माध्यम से वितीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-151/पशुधन-2(16)गाय एवं भैंस विकास/2017-18, दिनांक-23.03.2018 के सन्दर्भ में एवं विषयगत योजनान्तर्गत निर्गत वित्तीय स्वीकृति के शासनादेशों दिनांक-14.06.2017 एवं 28.08.2017 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक 2403-पशुपालन-102-पशु तथा भैंस विकास-16-गाय एवं भैंस विकास डेयरी काम्प्लेक्स की स्थापना (रा.यो.) के मानक मद 11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई में उपलब्ध बचतों से उक्त लेखाशीर्षक के ही मानक मद 47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय में रू0-0.25 लाख (रूपये पच्चीस हजार मात्र) की धनराशि पुनर्विनियोजित किये जाने की स्वीकृति संलग्न प्रपत्र बी.एम.-9 के अनुसार श्री राज्यपाल अधोलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

(1) बचतों के सही होने का समस्त उत्तरदायित्व निदेशक, रोग नियंत्र एवं प्रक्षेत्र, पशुपालन विभाग, उ0प्र0 का होगा।

(2) स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि जिस योजना/मद से धनराशि पुनर्विनियोजित की जा रही है उस योजना/मद के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में किसी अतिरिक्त धनराशि की मांग नहीं की जायेगी।

(3) स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-8/2017/बी-1-1190/दस-2017-231/2017, दिनांक-03.08.2017 में दिये गये निर्देशों तथा शासनादेश सं0-बी-1-1195/दस-16/94, दिनांक-06.06.1994 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(4) किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि को आहरित कर पी.एल.ए., बैंक/डाकघर में नहीं रखा जायेगा।

(5) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय निर्धारित मानक मद के अतिरिक्त अन्य किसी मद में अनुमन्य नहीं होगा तथा धनराशि का उपयोग उसी कार्य हेतु किया जायेगा, जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है। विचलन की दशा में इसका समस्त उत्तरदायित्व निदेशक, रोग नियंत्र एवं प्रक्षेत्र, पशुपालन विभाग, उ0प्र0 का होगा।

(6) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार एवं नियमानुसार किया जायेगा।

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक 2403-पशुपालन-102-पशु तथा भैंस विकास-16-गाय एवं भैंस विकास डेयरी काम्प्लेक्स की स्थापना (रा.यो.)-47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं0-ई-2-यू.ओ.-414/दस-2018, दिनांक-30.03.2018 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-प्रपत्र बी.एम.-9

भवदीय,

**(डा0 प्रहलाद बरनवाल)**
अनु सचिव।

**पृ0सं0-47/2018/1237(1)/सैंतीस-2-2018- तददिनांक।**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
2. निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0, इलाहाबाद।
3. निदेशक, वित्तीय सांख्यिकी निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ।
4. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
5. सम्बन्धित जिलाधिकारी।
6. सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी ।
7. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-2/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

**(डा0 प्रहलाद बरनवाल)**
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।